PRABHAT KHABAR, DATE - 3.11.2018, PAGE - 25

केंद्रीय विवि झारखंड में चल रहे सेमिनार का हुआ समापन

# भूमि, जल और वायु पर विमर्श

लाइफ रिपोर्टर @ रांची

झारखंड केंद्रीय विवि में पर्यावरण विज्ञान विभाग और भूमि संसाधन प्रबंधन विभाग द्वारा आयोजित तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का समापन हुआ. इसमें देशभर के वैज्ञानिकों ने पर्यावरण संरक्षण समेत कई विषयों पर चर्चा की. समापन समारोह में पद्मश्री सिमोन उरांव शामिल हुए. कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो नंदकुमार यादव इंदु ने की. सम्मेलन में 250 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया. विभिन्न राज्यों के अलावा यूरोपीय संघ, एशियाई देशों से भी प्रतिभागी शामिल हुए. पर्यावरण प्रदूषण एवं प्रबंधन, भूमि, जल, वायु, जैव विविधता संरक्षण, प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन आदि पर विमर्श हुआ. मौके पर टाटा स्टील के अधिकारी शुभनंदन मुके, यूनेस्को हेड डॉ रामभुज, सीयूजे के कुलसचिव डॉ एसएल हरिकुमार, सम्मेलन के चेयरमैन प्रो एसी पांडेय और प्रो मनोज कुमार आदि मौजूद थे. मंच का संचालन डॉ कविता परमार और डॉ पूजा शाक्या ने किया.

समापन समारोह में पद्मश्री सिमोन उरांव भी शामिल हुए.

HINDUSTAN, DATE- 03.11.2018, PAGE NO - 22

# 'प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन बेहद जरूरी'

सीयूजे

रांची | प्रमुख संवाददाता

झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय (सीयूजे) के पर्यावरण विज्ञान विभाग और भूमि संसाधन प्रबंधन विभाग की ओर से आयोजित तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी शुक्रवार को संपन्न हुई। समापन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि सिमोन उरांव (पद्मश्री) मौजूद थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो नंदकुमार यादव इंदु ने की। साथ ही, टाटा स्टील के अधिकारी शुभनंदन मुके, यूनेस्को प्रमुख डॉ रामभुज, सीयूजे के रजिस्ट्रार डॉ एसएल हरिकुमार व देशभर आए प्रतिभागी मौजूद थे।

संगोष्ठी में पर्यावरण प्रदूषण एवं प्रबंधन (भूमि, जल, वायु), जैव विविधता संरक्षण, प्राकृतिक एवं प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन, पारिस्थिकी तंत्र एवं व्यवस्था, जलवायु प्रबंधन, पर्यावरण अनुकूलन, क्लिनर बायो प्रॉसेस आदि पर जोर देते हुए विशेषज्ञों ने इन्हें कार्यरूप देने की जरूरत बताई।

कुलपति ने कहा कि संगोष्ठी की सफलता ने विश्वविद्यालय की पहचान को और बड़ा बनाया है। सेमिनार के आयोजन से जुड़े सभी लोगों को बधाई देते हुए उन्होंने आनेवाले समय में बेहतरीन आयोजन जारी रखनेकी बात कही।

सभी प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र दिए गए। मौके पर सम्मेलन के चेयरमैन प्रो एसी पांडेय (विभागाध्यक्ष, भूमि संसाधन प्रबंधन विभाग) व प्रो मनोज कुमार (विभागाध्यक्ष, पर्यावरण विज्ञान, विभाग) समेत अन्य शिक्षकगण मौजूद थे। संचालन डॉ कविता परमार व डॉ पूजा शाक्या ने किया।

## देश-विदेश के 250 प्रतिभागियों ने लिया हिस्सा

संगोष्ठी में देशभर से जुटे वैज्ञानिकों ने पर्यावरण संरक्षण समेत कई विषयों पर विमर्श किया व अपने सुझाव दिए। देश-विदेश के 250 प्रतिभागियों ने इसमें भाग लिया। इनमें भारत के विभिन्न राज्यों के अलावा यूरोपीय संघ, दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों, अफ्रीका के प्रतिभागी भी शामिल थे। भारत के 45 से अधिक प्रतिष्ठित संस्थानों आईआईटी, सीएसआईआर, सीयू के प्रतिभागियों की इसमें भागीदारी रही।

शुक्रवार को झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय में आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में छात्रों को प्रमाणपत्र देते सिमोन उरांव। • हिन्दुस्तान